"पहले खुद को बदलें, तभी बदलाव आयेगा" ये विचार थे कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित श्रीमती स्नेहलता यादव (आबकारी, कराधान कार्य की अधिकारी) के. महिलाओं से जुड़ी समस्याओं पर चिंतन करने के लिए अग्रवाल महाविद्यालय के महिला प्रकोष्ठ और एन.जी.ओ. "नारी उत्थान, शिक्षा से सशक्तिकरण" के सहयोग से दिनांक 19–03–2015 को अग्रवाल महाविद्यालय में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. महाविद्यालय प्राचार्य डॉ० कृष्णकान्त गुप्ता ने महिला समस्या पर विचार प्रकट करते हुए कहा कि समस्याएं तभी हल होगी जब सोच बदेलेगी हमे अपने हद्य और विचारों में स्पन्दन पैदा करना होगा. उन्होंने बताया कि समय समय पर ऐसी कार्यशालाओं की माध्यम से महिलाओं को रोजगार और पढ़ाई के प्रति जागरुक करने का प्रयास करेगें तभी इच्छित परिणाम सामने आयेंगे.

कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ० वासु देव गुप्ता ने (उप–प्रधान, अग्रवाल महाविद्यालय प्रबन्ध समिति, बल्लबगढ़) कार्यक्रम में रूचि दिखाते हुए कहा कि अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा नारी सशक्तिकरण में अपना सम्पूर्ण सहयोग देने को तत्पर है. कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि श्री विजय गुप्ता, एडवोकेट (महासचिव, अग्रवाल महाविद्यालय प्रबन्ध समिति, बल्लबगढ़) ने अपने वक्तव्य में बताया कि पुरुष प्रधान समाज को यह सोचकर आगे चलना होगा कि हम नारी के सहयोग के बिना आगे नही बढ़ सकते.

कार्यक्रम की सूत्रधार डॉ० अर्चना भाटिया (प्रधान, एन.जी.ओ. "नारी उत्थान, शिक्षा से सशक्तिकरण") ने अपने वक्तव्य में बताया कि आजादी के इतने वर्षों के बाद भी बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ की बातें करते हैं. इस कार्यशाला के माध्यम से हम अपनी नाकारात्मक सोच को सकारात्मक करने का प्रयास करेंगे. नारी समस्याएँ जैसे कन्या भ्रूण हत्या, दहेज प्रथा, लड़की और लड़के में पक्षपात (पढ़ाई, नौकरी, सम्पत्ति इत्यादि), घरेलू हिंसा आदि समस्याओं के लिए हमें किसी अन्य व्यक्ति, समाज, सरकार, परम्पराओं, रीतिरिवाजों को दोष नहीं देना है बल्कि स्वयं को बदलकर अपने भविष्य को सुधारना है. इस कार्यशाला का उद्देश्य समस्याओं के प्रति महिलाओं को सशक्त करना है.

इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रुप में श्रीमती संयुक्ता बहल (सखी संग, एन.जी.ओ. की प्रधान) रहीं.

सामूहिक वाद–विवाद में आमन्त्रित डॉ० पुनिता हसीजा (स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ० बीना

सेठी (प्राध्यापिका, दयानन्द महाविद्यालय, फरीदाबाद), हरियाणा कि सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ० सुर्दशन रत्नाकर और श्रीमती राजकरणी, श्रीमती सुमन गुप्ता और श्री गौतम गोयल ने नारी सशक्तीकरण पर विचार करते हुए छात्राओं को महिलाओं की विभिन्न समस्याओं के प्रति जागरुक किया. महाविद्यालय की छात्राओं ने अपनी जिज्ञासाओं को शांत करने के लिए अनेक प्रश्न पूछे जिनको आमन्त्रित वक्ताओं ने बड़ी सूझ के साथ हल किया.

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक और छात्राएँ उपस्थित थीं.